आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

❑ वर्ष - 27 ❑ अंक - 182 उज्जैन, रविवार 25 मई 2025 ❑ कुल पृष्ठ - 8, ❑ कीमत -1 रुपया

मध्यप्रदेश को अग्रणी राज्य बनाने के लिए सरकार संकल्पित- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नीति आयोग की विकसित राज्य फॉर विकसित भारत @2047 बैठक में की सहभागिता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता मे नीति आयोग की शासी परिषद (गवर्निंग काउंसिल) की 10वीं बैठक में भाग लिया। यह बैठक 'विकसित राज्य फॉर विकसित भारत ञ्च2047' थीम पर केंद्रित रही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के विजन से प्रेरित होकर मध्यप्रदेश को देश के अग्रणी राज्यों की प्रथम पंक्ति में स्थापित करने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में शामिल होकर प्रधानमंत्री श्री मोदी का मार्गदर्शन प्राप्त किया और इसे भारत के भविष्य निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व में सभी राज्य 'टीम इंडिया' की भावना के साथ कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज मध्यप्रदेश विकास और लोक कल्याण के संकल्प पथ पर अग्रसर है और निरंतर नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है।

बहरीन चले ओवैसी, पाकिस्तान के चेहरे से उतारेंगे मुखौटा; बोले- आतंकियों की सरपरस्ती करता है PAK

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया भर में पाकिस्तान के चेहरे से शराफत का मुखौटा उतारने के लिए भारतीय नेताओं का डिलिगेशन अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान कर रहे हैं। ये नेता बताएंगे कि कैसे पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देता है और भारत के खिलाफ उन्हें तैयार करता है। भारत ने 59 सांसदों का सात प्रतिनिधिमंडल बनाया है। ये डिलिगेशन 33 देशों में जाकर पहलगाम हमले और उसके बाद हुई कार्रवाई के बारे में इन देशों में भारत की बात रखेंगे। डिलिगेशन में शामिल सभी नेता अलग-अलग राजनीतिक दल के हैं।

बीजेपी सांसद बैजयंत जय पांडा के नेतृत्व में सांसदों का एक डेलिगेशन बहरीन के लिए रवाना हुआ है। इस डिलिगेशन में AIMIM सांसद असदुद्दीन ओवैसी भी शामिल हैं।

ओवैसी ने बताया कि वह सात डिलिगेशन के ग्रुप 1 का हिस्सा हैं। ये डेलिगेशन पहले बहरीन जाएगा, उसके बाद ये दल कुवैत, सऊदी अरब और अल्जीरिया जाएगा।

बहरीन रवाना होने से पहले ओवैसी ने कहा, पहलगाम का जो दर्दनाक वाकया हुआ है। पिछले कई साल से हमारा पड़ोसी देश पाकिस्तान अपने मुल्क से आतंकी कैंप को चलाता है और उसकी सरपरस्ती करता है।

आतंकवाद को लेकर चुप नहीं रहेंगे, शशि थरूर का डेलिगेशन अमेरिका रवाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान को हर तरफ से पस्त करने के लिए भारत कई देशों में अपनी प्रतिनिधि भेज रहा है। वहीं, इस कड़ी में आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख को साझा करने के लिए पांच देशों की यात्रा पर रवाना होने से पहले कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को कहा कि आतंकवाद को लेकर हम चुप नहीं रहेंगे।

शशि थरूर के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल में भाजपा के शशांक मणि त्रिपाठी, भुवनेश्वर कलिता और तेजस्वी सूर्या के साथ-साथ एलजेपी (रामविलास) की शांभवी चौधरी, टीडीपी के जीएम हरीश बालयोगी, शिव सेना के मिलिंद देवड़ा, जेएमएम के सरफराज अहमद और अमेरिका में पूर्व राजदूत तरणजीत सिंह संधू शामिल हैं।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि हमारा पहला पड़ाव गुयाना का जॉर्जटाउन है। हम न्यूयॉर्क से होकर गुजरेंगे, जिससे हमें 9/11 स्मारक देखने का मौका मिलेगा और दुनिया को याद दिलाएंगे कि हम उन लोगों को पसंद करते हैं जिनके बारे में वे सोच रहे हैं, जो आतंकी हमलों के शिकार हुए थे।

टीम इंडिया की तरह मिलकर करना होगा काम, नीति आयोग की बैठक में PM Modi का राज्यों को संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि अगर केंद्र सरकार और राज्य सरकार मिलकर टीम इंडिया की तरह काम करें तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

विकास की गति को बढ़ाना होगा- उन्होंने कहा कि विकास की गति को बढ़ाने की जरूरत है। नीति आयोग की ओर से एक्स पर पोस्ट कर पीएम मोदी के हवाले से कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा हमें विकास की गति को बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा, अगर केंद्र और सभी राज्य एक साथ आएं और टीम इंडिया की तरह मिलकर काम करें, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। बता दें, गवर्निंग काउंसिल की बैठक का विषय विकसित भारत के लिए विकसित राज्य @2047 है।

गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष हैं पीएम मोदी- पीएम मोदी ने कहा, विकसित भात हर भारतीय का लक्ष्य है। जब हर राज्य विकसित होगा तो भारत भी विकसित होगा। यह 140 करोड़ देशवासियों की आकांक्षा है।

बता दें, नीति आयोग की सर्वोच्च संस्था परिषद में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल और कई केंद्रीय मंत्री शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी नीति आयोग के अध्यक्ष हैं।

सट्टेबाजी एप को लेकर सुप्रीम कोर्ट चिंतित, कहा- आईपीएल के नाम पर लोग सट्टा लगा रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि लोग इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) की आड़ में सट्टा लगा रहे हैं और जुआ खेल रहे हैं। न्यायालय ने सट्टेबाजी से जुड़े ऑनलाइन एप के नियमन के लिए दायर जनहित याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा। जस्टिस सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने केए पाल द्वारा दायर याचिका पर केंद्र को नोटिस जारी किया, जिसमें दावा किया गया है कि आनलाइन सट्टेबाजी और जुआ एप का उपयोग करने के बाद कई बच्चों ने आत्महत्या कर ली है।

याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि कई प्रभावशाली लोग, अभिनेता और क्रिकेटर इस तरह के ऑनलाइन एप को बढ़ावा दे रहे हैं और इस प्रक्रिया में बच्चों को लुभा रहे हैं। सिगरेट के मामले में पैकेट पर धूमपान के दुष्प्रभावों को दर्शाने वाली तस्वीरें हैं। लेकिन, सट्टेबाजी एप के मामले में ऐसी कोई चेतावनी नहीं दी गई है। यहां तक कि भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटरों ने भी इस समय चल रहे आइपीएल के दौरान इस तरह के एप का प्रचार किया है।

इस पर पीठ ने कहा कि आइपीएल के नाम पर बहुत से लोग सट्टा लगा रहे हैं और जुआ खेल रहे हैं। यह एक गंभीर मुद्दा है।पाल ने कहा कि वह लाखों माता-पिता का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जिनके बच्चे पिछले कुछ वर्षों में आत्महत्या कर चुके हैं।

तेलंगाना में 1,023 से अधिक लोगों ने आत्महत्या कर ली, क्योंकि 25 अभिनेताओं और इन्फ्लुएंसरों ने मासूमों की जिंदगी से खिलवाड़ किया।

किसी भी अदालत को निचली कहना संविधान के मूल्यों के विरुद्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि किसी भी अदालत को निचली अदालत कहना संवैधानिक मूल्यों के विरुद्ध है। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस एजी मसीह ने 1981 के एक हत्या मामले में आजीवन कारावास की सजा पाए दो दोषियों को बरी करते हुए यह टिप्पणी की।

पीठ के लिए फैसला लिखने वाले जस्टिस ओका ने कहा- %फैसला सुनाने से पहले हम आठ फरवरी, 2024 के आदेश में दिए गए निर्देश को दोहराते हैं कि सुनवाई अदालत के रिकार्ड को निचली अदालत के रिकॉर्ड के रूप में संदर्भित नहीं किया जाना चाहिए।

आकाशतीर के अचूक निशाने की मुरीद होने लगी है दुनिया, 5.5 पीढ़ी का लड़ाकू विमान भी सेना में शामिल करने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर ने पूरी दुनिया को दिखाया कि भारत अपनी रक्षा करने में खुद सक्षम है। वह दुश्मन की किसी भी हिमाकत का अपने तरीके से माकूल जवाब दे सकता है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की आकाशतीर प्रणाली ने जिस अचूक तरीके से दुश्मन के विमानों, ड्रोनों और मिसाइलों का पता लगाया, ट्रैक करके उन्हें मार गिराया उसकी पूरी दुनिया मुरीद होने लगी है।

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के प्रमुख समीर वी. कामत को यकीन है कि स्वदेश में विकसित आकाशतीर वायु रक्षा प्रणाली की सफलता से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे लेकर रुचि और बढ़ेगी। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान यह प्रणाली नई युद्ध क्षमताओं की अदृश्य शक्ति के रूप में उभरकर सामने आई है।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा भारत- गौरतलब है कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत छह-सात मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया था। डीआरडीओ के प्रमुख समीर वी कामत ने गुरुवार को कहा, निश्चित रूप से हमारी वायु रक्षा प्रणाली ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। रक्षा क्षेत्र में भारत के आत्मनिर्भर बनने के बारे में कामत ने कहा कि इस दिशा में पर्याप्त प्रगति हुई है, लेकिन पूरी तरह से आत्मनिर्भर बनने के लिए और काम करना होगा।

उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में भारत पूरी तरह से आत्मनिर्भर बन जाएगा। कामत ने कहा कि भविष्य में युद्धों के लिए पारंपरिक हथियारों के साथ ही ड्रोन और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए भी तैयार रहना होगा। भविष्य के संघर्षों में रोबोट सैनिकों की भूमिका निभाने की संभावना को लेकर कामत ने कहा कि निकट भविष्य में ऐसा नहीं होने वाला है।

कई सुविधाओं से लैस है स्वदेशी आकाशतीर- आकाशतीर रडार, सेंसर और संचार प्रणालियों से लैस है। यह लक्ष्य की पहचान कर सटीकता के साथ तेजी से हमला करने में सक्षम है। यह प्रणाली दुश्मन के विमानों, ड्रोन और मिसाइलों का पता लगाने, ट्रैक करने और उन्हें मार गिराने में सक्षम है। इसके जरिये सेना संभावित हवाई खतरों से महत्वपूर्ण संपत्तियों, सैनिकों और बुनियादी ढांचे की बेहतर रक्षा कर सकती है।

अब अमेरिका छोड़ हॉन्ग कॉन्ग जाएंगे विदेशी छात्र! ट्रंप को मिलने वाला है डबल झटका; इस यूनिवर्सिटी ने दिया बड़ा ऑफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी सरकार द्वारा कॉलेजों पर की जा रही कार्रवाई के बीच, हांगकांग के एक विश्वविद्यालय ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए बिना शर्त प्रस्ताव देने का वादा किया है। न्यूज़वीक के अनुसार, हांगकांग विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने कहा कि यह अगले शैक्षणिक वर्ष के लिए नामांकन करने में असमर्थ छात्रों की यह प्रस्ताव मदद करेगी। HKUST ने कहा कि विश्वविद्यालय शीघ्र प्रवेश, क्रेडिट स्थानांतरण को प्राथमिकता देगा और छात्रों को वीजा सहायता और आवास सहित सहायता प्रदान करेगा।

HKUST का बयान- न्यूजवीक के अनुसार, एचकेयूएसटी के प्रोवोस्ट गुओ यिक ने कहा, विविधता रचनात्मकता और प्रगति को बढ़ावा देती है। हम हार्वर्ड के छात्रों का हमारी यूनिवर्सिटी में स्वागत करने के लिए तैयार हैं और उन्हें अपने क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक संसाधन और वातावरण प्रदान करने के लिए तैयार हैं।÷

एचकेयूएसटी की यह पेशकश चीनी सरकार द्वारा हार्वर्ड विश्वविद्यालय में विदेशी छात्रों के नामांकन और छात्र विनिमय कार्यक्रमों को रोकने के लिए अमेरिकी सरकार की आलोचना के बाद आई है। आउटलेट ने बताया कि वर्तमान में एक हजार से अधिक चीनी छात्र आइवी लीग स्कूल में पढ़ते हैं।

क्या है ट्रंप सरकार का फैसला- गुरुवार को घोषणा करते हुए अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने कहा कि हार्वर्ड ने अमेरिका विरोधी, आतंकवाद समर्थक आंदोलनकारियों को अपने परिसर में यहूदी छात्रों को परेशान करने और उन पर हमला करने की अनुमति देकर एक असुरक्षित परिसर का माहौल बनाया है।

साथ ही अमेरिकी प्रशासन ने हार्वर्ड पर चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ समन्वय करने का आरोप लगाया है और कहा कि उसने पिछले साल ही एक चीनी अर्धसैनिक समूह के सदस्यों की मेजबानी और प्रशिक्षण किया था।

जान बचाकर भागो..., ऑपरेशन सिंदूर के खौफ से चौकी से भाग निकला था पाकिस्तानी कमांडर; रेडियो बातचीत हुई लीक

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना के सटीक हमलों ने न केवल नियंत्रण रेखा के पार आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट कर दिया,बल्कि पाकिस्तानी सेना के भीतर व्यापक दहशत भी पैदा कर दी। संचार की जांच में पता चला कि पाकिस्तान रे वरिष्ठ अधिकारी ऑपरेशन के बीच में अपनी चौकियों को छोड़कर भाग गए थे।

मस्जिद में जाकर ली थी शरण- एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय सेना के सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में मुजफ्फराबाद के पास तैनात पाकिस्तान की 75वीं इन्फैंट्री ब्रिगेड के एक कमांडर ने आक्रामक हमले के दौरान चौकी पर लौटने से इनकार कर दिया था।

जब जूनियर अधिकारियों ने चौकी को फिर से खोलने के बारे में उनसे संपर्क किया तो उन्होंने डरावने ढंग से जवाब दिया कि कार्यालय बाद में खुलेगा, पहले अपनी जान बचाओ। इंटरसेप्ट की गई रेडियो बातचीत से यह भी पता चला कि कमांडर ने एक मस्जिद में शरण ली थी।

भाग निकला था कमांडर- एक जूनियर अधिकारी को यह कहते हुए सुना गया, हमारे कमांडर साहब बड़ी मुश्किल से बचकर निकले हैं। वह मस्जिद में नमाज अदा कर रहे हैं। उन्होंने अपने लोगों को यहां भेजा है और कहा है कि वह तभी लौटेंगे जब हालात शांत हो जाएंगे।

भारत का ऑपरेशन सिंदूर आतंकी ठिकानों पर केंद्रित था, जबकि पाकिस्तान की जवाबी कार्रवाई में नागरिक क्षेत्रों पर गोलाबारी शामिल थी। इसके जवाब में भारतीय हमलों में पाकिस्तानी सैन्य चौकियों को निशाना बनाकर और हमले किए गए थे।

भारतीय सांसदों ने पाकिस्तान को खूब लताड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के संसदीय प्रतिनिधिमंडलों ने शुक्रवार को रूस, जापान और यूएई के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें आतंकवाद के खिलाफ भारत के कड़े रुख से अवगत कराया तथा ऑपरेशन सिंदूर के बाद आतंकवाद से लड़ाई और कट्टरपंथ से निपटने में सहयोग बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

आतंकवाद से लड़ाई में भारत को मिला रूस का साथ- भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने आतंकवाद विरोधी लड़ाई पर रूस के साथ व्यापक चर्चा की और ऑपरेशन सिंदूर के बारे में रूसी पक्ष को जानकारी दी।

रूस ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोनों देश एक साथ हैं। तीन यूरोपीय देशों की यात्रा कर रहे विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा-टीम इंडिया ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक मजबूत और एकीकृत संदेश भेजा है।

द्रमुक सांसद कनिमोझी ने कही ये बात- द्रमुक सांसद कनिमोझी के नेतृत्व में सांसदों का प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के बारे में अंतरराष्ट्रीय समुदाय को अवगत कराने के लिए पांच देशों की यात्रा के पहले चरण में इस समय रूस में है।

अफगानिस्तान में महसूस हुए भूकंप के झटके, लोगों में फैली दहशत

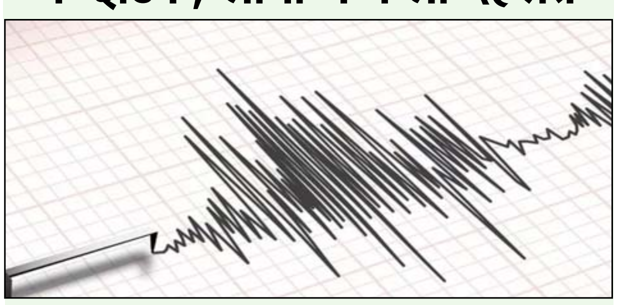

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान में शनिवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटकों के कारण लोगों में दहशत फैल गई। जानकारी के अनुसार, अफगानिस्तान में आए भूकंप की तीव्रता 4.5 रही। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी द्वारा साझा की गई जानकारी के मुताबिक, भूकंप 120 किमी की दूरी पर आया। अभी तक की जानकारी के मुताबिक, इस भूकंप के कारण किसी भी नुकसान की कोई खबर नहीं है। बता दें कि इससे पहले 19 मई को अफगानिस्तान में 4.2 तीव्रता का भूकंप आया था, जो पिछले चार दिनों में देश में आने वाला लगातार चौथा भूकंप था। NCS के अनुसार, अफगानिस्तान में भूकंप 08:54 बजे (भारतीय मानक समय) 140 किलोमीटर की गहराई पर आया।

अमेरिकी राष्ट्रपति को झटका, हार्वर्ड पर ट्रंप प्रशासन के फैसले को अदालत ने रोका

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के एक संघीय जज ने शुक्रवार को ट्रंप प्रशासन के उस फैसले पर रोक लगा दी, जिसमें हार्वर्ड विश्वविद्यालय की विदेशी छात्रों को दाखिला देने की पात्रता रद कर दी गई थी। इस अस्थायी फैसले से भारतीयों समेत हजारों विदेशी छात्रों को फौरी राहत मिली है।

ट्रंप प्रशासन इस फैसले के खिलाफ अपील कर सकता है- हार्वर्ड की अपील पर सुनवाई करते हुए जज एलिसन बेरोज ने संवैधानिक उल्लंघन का हवाला देते हुए प्रशासन के आदेश पर रोक लगा दी। ट्रंप प्रशासन इस फैसले के खिलाफ अपील कर सकता है।

विश्वविद्यालय में चल रही जांच के तहत यह कदम उठाया- इससे पहले गुरुवार को ट्रंप प्रशासन ने एक अभूतपूर्व फैसले में हार्वर्ड की विदेशी छात्रों को दाखिला देने की पात्रता रद कर दी थी। प्रशासन ने विश्वविद्यालय को सूचित किया था कि उसने गृह सुरक्षा विभाग द्वारा विश्वविद्यालय में चल रही जांच के तहत यह कदम उठाया है।

इस फैसले से भारतीयों समेत हजारों विदेशी छात्रों के प्रभावित होने का खतरा पैदा हो गया है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को बोस्टन की संघीय अदालत में ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया और कहा कि सरकार की कार्रवाई प्रथम संशोधन का उल्लंघन करती है और इसका हार्वर्ड और करीब सात हजार वीजा धारकों पर तत्काल और विनाशकारी प्रभाव पड़ेगा।

इससे पहले गुरुवार को गृह सुरक्षा मंत्री क्रिस्टी नोएम ने विश्वविद्यालय को एक पत्र लिखकर कहा है कि अंतरराष्ट्रीय छात्रों को दाखिला देने की उसकी पात्रता को खत्म कर दिया गया है। ट्रंप प्रशासन के इस फैसले को विश्वविद्यालय के साथ बढ़ते टकराव के रूप में देखा जा रहा है।

पाकिस्तान ने पाला है रेबीज वाला कुत्ता, TMC सांसद अभिषेक बनर्जी ने टोक्यो में आतंकिस्तान को जमकर सुनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य टकराव और भारत के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद भारतीय डेलिगेशन विदेश दौरे पर है और इस दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की पोल खोल रहा है।

टोक्यो से अभिषेक बनर्जी का बयान- जापान के टोक्यो पहुंचे भारतीय डेलिगेशन में शामिल टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने पाकिस्तान की पोल खोल कर रख दी और मजबूती के साथ भारत का पक्ष रखा है। उन्होंने कहा कि हम यहां यह संदेश और सच्चाई साझा करने आए हैं कि भारत झुकने वाला नहीं है और हम डर के आगे घुटने नहीं टेकेंगे।

पाकिस्तान है जंगली हैंडलर- अभिषेक बनर्जी ने कहा, मैं एक राजनीतिक दल से संबंधित हूं जो विपक्ष में है। मैंने सार्वजनिक रूप से कहा है कि पाकिस्तान को उसकी भाषा में सबक सिखाया जाना चाहिए। अगर आतंकवाद एक पागल कुत्ता है, तो पाकिस्तान एक जंगली हैंडलर है।

उन्होंने कहा, हमें सबसे पहले इस जंगली हैंडलर से निपटने के लिए दुनिया को एक साथ लाने की जरूरत है। अन्यथा, यह जंगली हैंडलर और अधिक पागल कुत्तों को पालेगा और बड़ा करेगा। हम सुनिश्चित करेंगे कि भारत जिम्मेदार हो। हमारे सभी हमले और कार्रवाई जिम्मेदाराना, सटीक और गैर-उग्रवादी रही हैं।

बेगुनाह नागरिकों ही हत्या...गुरुद्वारों, मंदिरों को बनाया निशाना; भारत ने संयुक्त राष्ट्र में खोली पाकिस्तान के पाखंड की पोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के पाखंड की पोल खोलते हुए कहा कि एक ऐसा देश जो आतंकियों और नागरिकों के बीच कोई अंतर नहीं करता उसे नागरिकों की सुरक्षा के बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है।

पाकिस्तानी सेना ने इस महीने की शुरुआत में जानबूझकर भारतीय सीमावर्ती गांवों पर गोलाबारी की, जिसमें नागरिक मारे गए।

संयुक्त राष्ट्र में भारत पाकिस्तान को खूब लताड़ा- संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पार्वथानेनी हरीश ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली चर्चा में कहा, भारत ने दशकों से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी हमलों का सामना किया है। इसमें मुंबई शहर पर हुए 26/11 के हमले से लेकर पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों की बर्बर सामूहिक हत्या तक शामिल है।

हरीश ने कहा, पाकिस्तानी आतंकवाद के शिकार मुख्य रूप से आम नागरिक रहे हैं, क्योंकि इसका उद्देश्य हमारी समृद्धि, प्रगति और मनोबल पर हमला करना रहा है। ऐसे देश का नागरिकों की सुरक्षा पर चर्चा में भाग लेना भी अंतरराष्ट्रीय समुदाय का अपमान है।

पाकिस्तान ने बार-बार नागरिकों की आड़ में आतंकवाद को बढ़ावा दिया है। हाल ही में हमने देखा कि वरिष्ठ सरकारी, पुलिस और सैन्य अधिकारी ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए आतंकियों के जनाजे में पहंचे थे।

भारत ने सुरक्षा परिषद को बताया कि इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तानी सेना ने जानबूझकर भारतीय सीमावर्ती गांवों पर गोलाबारी की, जिसमें 20 से अधिक नागरिक मारे गए और 80 से अधिक घायल हो गए।

विजयवाड़ा के बेसेंट रोड पर बम लगा दिया है..., पुलिस को आया धमकी भरा कॉल; बाद में सामने आई सच्चाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। विजयवाड़ा में एक अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस कंट्रोल रूम में फोनकर बेसेंट रोड पर बम होने की सूचना दी, जिसके बाद इलाके में बम होने की अफवाह से दहशत फैल गई। हालांकि, बम होने की सूचना के बाद मौके पर बम निरोधक दस्ते ने तलाशी अभियान शुरू किया।

जैसे ही बम होने की सूचना मिली तो पुलिस ने एहतियात के तौर पर बेसेंट रोड पर स्थित दुकानों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया। इलाके की गहन जांच की गई। गवर्नरपेट के इंस्पेक्टर नागा मुरली ने कहा कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने कंट्रोल रूम में फोन कर बम की धमकी दी थी।

पुलिस अधिकारी ने कहा, ÷हमने बम निरोधक दस्ते की मदद से तलाशी अभियान चलाया, लेकिन कोई विस्फोटक नहीं मिला। जांच शुरू कर दी गई है और विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

गिरफ्तार किए गए थे दो आतंकी - इस बीच, सोमवार को अधिकारियों ने बताया कि तेलंगाना और आंध्र प्रदेश पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में हैदराबाद से दो संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया।

फिर डरा रहा कोरोना, दिल्ली से केरल तक बढ़े कोविड-19 के मामले

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना एक बार फिर लोगों को डराने लगा है। दिल्ली, हरियाणा, गुजरात, केरल और कर्नाटक समेत कई राज्यों में कोविड-19 एक बार फिर पैर पसारने लगा है। भारत में मौजूदा समय में 312 एक्टिव कोरोना केस सामने आए हैं। इसमें दिल्ली से 23, हरियाणा से 5, गुजरात से 33, महाराष्ट्र से 56 केस सामने आए हैं।

देश में राजधानी में कोरोना का 23 मामले सामने आए- दिल्ली में कोरोना के 23 मामले गुरुवार तक सामने आए हैं। इसके मद्देनजर शुक्रवार को दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ मौजूदा स्थिति की समीक्षा की। इसके बाद दिल्ली सरकार ने सभी सरकारी व निजी अस्पतालों के चिकित्सा निदेशक व चिकित्सा अधीक्षकों को दिशा निर्देश जारी कर अलर्ट किया है। इसके तहत अस्पतालों को जांच व निगरानी बढ़ाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

सरकार ने अस्पतालों में सभी को मास्क पहनने के निर्देश दिए हैं। ताकि संक्रमण का फैलाव ज्यादा न होने पाए। डा. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि लोगों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। सरकार स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

एक घर की उड़ी छत तो पूरे शहर की हटवा दी गई टीनशेड, मेयर ने तुरंत दिया ये आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के थ्रिसूर में एक इमारत से तेज हवाओं के कारण बड़ा लोहे का छत उड़ गया था। इसके एक दिन बाद, शनिवार को मेयर ने ऐलान किया कि बारिश के मौसम में किसी भी हादसे से बचने के लिए शहर की सभी इमारतों से ऐसे लोहे के ढांचे तुरंत हटाए जाएंगे।

शहर में कॉर्पोरेशन ऑफिस के पास वाली इमारत से तेज हवाओं की वजह से लोहे का छत उड़कर सड़क पर जा गिरा। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई घायल नहीं हुआ।

आपात बैठक में मेयर ने लिया फैसला- मेयर एम के वर्गीज ने एक टीवी चैनल से बात करते हुए कहा कि उन्होंने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत कॉर्पोरेशन सचिव को सूचना दी और एक आपात बैठक बुलाई। इस बैठक में लोहे के छत और ट्रस हटाने का फैसला लिया गया। साथ ही, एक इंजीनियरों की टीम बनाई गई, जो इस हादसे की वजह का पता लगाएगी और शहर में मौजूद ऐसे ढांचों की स्थिति का जायजा लेगी।

रेस्क्यू सर्विसेज की टीम को छत को हटाने में कई घंटे लगे - शुक्रवार को भारी बारिश और तेज हवाओं के बीच यह बड़ा लोहे का छत सड़क के बीच में आ गिरा, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया। फायर और रेस्क्यू सर्विसेज की टीम को इस छत को हटाने में कई घंटे लगे।

कन्नूर में बच्ची के साथ मारपीट करने का वीडियो हुआ वायरल, पकड़े जाने पर आरोपी ने कहा- बना रहा था प्रैंक वीडियो

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में देखा गया कि एक व्यक्ति अपनी आठ वर्षीय बेटी के साथ मारपीट कर रहा है। इसके बाद आरोपी व्यक्ति को पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया।

पुलिस की जांच शुरू- फुटेज में देखा जा सकता है कि वह व्यक्ति बच्ची को पीट रहा है और उसका सिर दीवार पर पटकने की कोशिश कर रहा है। वीडियो वायरल के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और व्यक्ति की पहचान जोस उर्फ मामाचन के रूप में की, जो चेरुपुझा में किराए के मकान में रह रहा था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि उसे सुबह स्थानीय थाने में बुलाया गया था। पय्यान्नूर के डिप्टी एसपी के विनोद कुमार ने बताया कि व्यक्ति से अलग रह रही पत्नी और दो बच्चों को बयान दर्ज करने के लिए थाने बुलाया गया था।

मां को वापस लाने के लिए बनाया था वीडियो - उन्होंने कहा, कल जैसे ही यह वीडियो हमारे संज्ञान में आया, हमने उस व्यक्ति और बच्चों से संपर्क किया। लेकिन, उन्होंने दावा किया कि यह एक प्रैंक वीडियो था। उन्होंने दावा किया कि यह उनकी मां को वापस लाने के लिए बनाया गया था, जो उनसे अलग रह रही थीं।

पुलिस अधिकारी ने कहा, लेकिन, प्रथम दृष्टया हमें नहीं लगता कि यह कोई शरारत वाला वीडियो है। भले ही यह एक शरारत वाला वीडियो हो, जैसा कि उन्होंने दावा किया है, लेकिन बच्चों के साथ क्रूरता दिखाने वाले वीडियो को इस तरह से नहीं लिया जा सकता।

पुलिस की निष्क्रियता की आलोचना का जवाब देते हुए कुमार ने कहा कि बच्चों को शुक्रवार को ही उनकी सहमति से उनकी मौसी के घर भेज दिया गया था। अधिकारी ने आगे कहा कि घटना के संबंध में कानूनी कार्रवाई की जाएगी और व्यक्ति, उसकी पत्नी और बच्चों के बयान दर्ज करने के बाद मामला दर्ज किया जाएगा।

केरल में मानसून की दस्तक, गोवा-महाराष्ट्र समेत इन राज्यों में बारिश का रेड अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के दक्षिणी राज्य केरल में मानसून ने 24 मार्च को दस्तक दे दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि 16 साल में पहली बार मानसून समय से इतना पहले पहुंचा है। मानसून के आने के बाद केरल के कई हिस्सों में भारी बारिश हो रही है। इस बीच भारत मौसम विज्ञान ने बताया कि केरल में बारिश का ये दौर जारी रहेगा। वहीं, आईएमडी ने देश के कई राज्यों में अगले कुछ दिनों के लिए राज्य के कई जिलों में रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

केरल के कई जिलों में बारिश का रेड अलर्ट- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि केरल के कन्नूर और कासरगोड जिलों में रेड अलर्ट और राज्य के शेष 12 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, रविवार को राज्य के 5 जिलों में बारिश को लेकर रेड अलर्ट तथा 9 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। सोमवार के लिए 11 जिलों में रेड अलर्ट और शेष तीन में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

16 साल का टूटा रिकॉर्ड- भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि इससे पहले साल 2009 में मानसून से समय से इतने पहले दस्तक दी है। साल 2009 में मानसून ने दस्तक दी थी। आईएमडी के अनुसार, मानसून सामान्य से आठ दिन पहले आया और पिछली बार ऐसा 23 मई, 2009 को हुआ था। पिछले कुछ रिकॉर्ड की बात करें तो 1975 के बाद 19 मई, 1990 को मानसून का समय से पहले आगमन देखा गया था।

आपत्तिजनक बयान न दें..., राहुल गांधी के आरोपों पर भड़के JDU नेता केसी त्यागी; जयशंकर को दिया फुल सपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। जनता दल (यूनाइटेड) के नेता केसी त्यागी ने शनिवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के ऑपरेशन सिंदूर पर दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि संकट के समय किसी को भी इस तरह के आपत्तिजनक बयान नहीं देने चाहिए।

केसी त्यागी का राहुल पर निशाना- त्यागी ने कहा, ऐसे संकट के समय में किसी को भी इस तरह के आपत्तिजनक और अनावश्यक बयान नहीं देने चाहिए। बता दें, शुक्रवार को भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की आलोचना करते हुए राहुल गांधी ने कहा था कि भारत की विदेश नीति ध्वस्त हो गई है।

इसके अलावा, केसी त्यागी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की बैठक पर प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिसमें 2047 तक विकसित भारत के विजन पर ध्यान केंद्रित किया गया। जेडी(यू) नेता ने कहा, प्रधानमंत्री ने 2047 तक विकसित भारत की अवधारणा पर बैठक की। हमारे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी मौजूद थे।

राहुल गांधी ने क्या आरोप लगाए- लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, पाकिस्तान की निंदा करने में एक भी देश ने हमारा साथ क्यों नहीं दिया? ट्रंप को भारत और पाकिस्तान के बीच %मध्यस्थता% करने के लिए किसने कहा?

विदेश मंत्री एस जयशंकर के एक मीडिया आउटलेट के साथ इंटरव्यू का वीडियो रीपोस्ट करते हुए उन्होंने कहा, भारत की विदेश नीति ध्वस्त हो गई है। इससे पहले राहुल गांधी ने विदेश मंत्री जयशंकर पर सवाल उठाते हुए उन पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायु सेना के कितने विमान खो दिए?

राहुल गांधी का विदेश मंत्री पर निशाना - कांग्रेस सांसद ने एक्स पर लिखा, विदेश मंत्री जयशंकर की चुप्पी निंदनीय है।

दैनिक हिन्दकुश

सर्वे भवन्तु सुखिनः

उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

हिन्दकुश मीडिया

hindkush.in
24x7 News portal

jagrayam.com
online news magazine

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश
हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण तृयोदशी

संपादकीय

हमारे बुजूर्गो के साए में जीवन जीने का आनंद ही कुछ और है....

कुदरत द्वारा रचित अनमोल खूबसूरत सृष्टि में भारत आदि अनादि काल से संस्कृति सभ्यता बड़े बुजुर्गों को मान सम्मान संयुक्त परिवार प्रथा सहित सभी गुणों में विशाल वटवृक्ष की भांति फलता फूलता रहा है हमारे बड़े बुजुर्गों ने स्वर्णलोक, स्वर्ग अनुभूति इस सृष्टि में धरती पर अपनों के बीच किया देखा और सुख भोगा है। उन अपार सुख के फूलों में से एक फूल है घर,परिवार,संयुक्त परिवार एक मज़बूत सुख की छावं देने वाला, छत्रछाया देने वाला संयुक्त परिवार, घर परिवार जहां बड़े बुजुर्गों के छत्रछाया में जीवन जीने,उनके फैसलों पर अमल करनें,आगे बढ़ाने और समर्पित भाव से जीवन जीने का सुख,अनमोल क्षण के साए में जीवन जीने का आनंद ही कुछ और है। परंतु वर्तमान परिपेक्ष में धीरे-धीरे हमारे देश के अधिकांश युवा पाश्चात्य संस्कृति के साए में बड़े बुजुर्गों को नजरअंदाज कर, एकला चलो रे !वाली नीति पर चलने की राह पर हैं किसी का लिखा एक खूबसूरत वाक्यांश बता दें, घर तब तक नहीं टूटता तब तक फैसला बड़ों के हाथों में होता है, अगर घर का हर सदस्य बड़ा बनने लगे तो घर टूटने में देरी नहीं लगती इसलिए अब समय आ गया है कि हमें बड़े बुजुर्गों की आज्ञा, उनकी छत्रछाया में जीने का अंदाज सीखने की तात्कालिक आवश्यकता है,इसलिए हम इस आर्टिकल के माध्यम से आओ बड़े बुजुर्गों की छत्रछाया में मिलजुल कर रहने की भारतीय संस्कृति को विलुप्त होने से बचाएं पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम महत्वपूर्ण फैसलों के बड़ों के हाथों से छुटने की करें तो, उम्र के फ़र्क़ के साथ-साथ बड़े बुजुर्गों और बच्चों के मूल्यों में अंतर आ जाता है, मिसाल के लिए अगर बड़े बुजुर्ग बहुत धार्मिक हैं और उन्होंने बच्चों को भी वहीं संस्कार दिए तो भी ज़रूरी नहीं कि बच्चे उन्हीं संस्कारों को मानें, बस !यहीं से टकराव की शुरूआत होती है। अलगाव की स्थिति पैदा हो जाती है, ये भी देखा गया है कि आमतौर से अलग होने वाले माता-पिता और बच्चों के बीच अलग होने की वजह को लेकर कोई संवाद नहीं होता, इसलिए पता ही नहीं चलता कि आख़िर वजह क्या है।इसके अलावा भाई-बहनों के अलग मिज़ाज और माता-पिता का किसी एक बच्चे के प्रति गहरा लगाव भी अलगाव की वजह बन जाते हैं, ऐसा नहीं है कि परिवार में अलगाव तेज़ी से और रातों रात हो रहा है, बल्कि ये बहुत धीरे-धीरे हो रहा है। कई बार छोटी सी घटना भी परिवार को तोड़ देती है। कहने को तो वो एक घटना होती है लेकिन उसके नतीजे दूरगामी होते हैं जिसको रेखांकित करना जरूरी है।

साथियों बात अगर हम घर में हर कोई बड़ा बनने के दो मुख्य कारणों की करें तो, पिछले कुछ वर्षों में देखा गया है कि भूमंडलीकरण की वजह से उन देशों में भी परिवार टूट रहे हैं, जहां अकेले रहने की रिवायत नहीं है, भारत की ही बात करें तो बड़ी संख्या में लोग रोज़गार की तलाश में गांवों से शहरों में या विदेशों में पलायन कर रहे हैं। वहीं जिन देशों में सरकार की ओर से बेहतर सुविधाएं नहीं मिलतीं वहां बुज़ुर्ग, नौजवान और बच्चों के बीच मज़बूत रिश्ता और एक दूसरे से लगाव देखने को मिलता है, इसकी मिसाल हमें यूरोप के कुछ देशों में देखने को मिलती है।

बाहर बड़े शहरों या विदेश में रोजगार में जाने की वजह से माता-पिता से दूरी बन जाती है, साथ ही ऐसे परिवारों में आर्थिक रूप से लोग एक दूसरे पर निर्भर नहीं करते, स्वाभाविक रूप से वे अपने फैसले खुद लेने लगते हैं, लिहाज़ा उन्हें अलग होने में कोई हिचक भी महसूस नहीं होती।

रासबिहारी बोस

रासबिहारी बोस भारत के एक क्रान्तिकारी नेता थे जिन्होने ब्रिटिश राज के विरुद्ध भारत की आज़ादी के लिए गदर षडयंत्र एवं आजाद हिन्द फौज के संगठन का कार्य किया। इन्होंने न केवल भारत में कई क्रान्तिकारी गतिविधियों का संचालन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी, अपितु विदेश में रहकर भी वह भारत को स्वतन्त्रता दिलाने के प्रयास में आजीवन लगे रहे। दिल्ली में तत्कालीन वायसराय लार्ड चार्ल्स हार्डिंग पर बम फेंकने की योजना बनाने, गदर की साजिश रचने और बाद में जापान जाकर इंडियन इंडिपेंडेस लीग और आजाद हिंद फौज की स्थापना करने में रासबिहारी बोस की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होने हिन्दू महासभा की जापानी शाखा की स्थापना भी की तथा इसके अध्यक्ष बने।

यद्यपि देश को स्वतन्त्र कराने के लिये किये गये उनके ये प्रयास उनके जीवनकाल में सफल नहीं हो पाये, तथापि स्वतन्त्रता संग्राम में उनका योगदान अत्यन्त महान है।

जीवन

रासबिहारी बोस का जन्म 25 मई 1886 को बंगाल में बर्धमान जिले के सुबलदह गाँव में के एक बंगाली कायस्थ परिवार में हुआ था। इनकी आरम्भिक शिक्षा सुबलदह में ही हुई। रासबिहारी बोस बचपन से ही देश की स्वतन्त्रता के स्वप्न देखा करते थे और क्रान्तिकारी गतिविधियों में उनकी गहरी दिलचस्पी थी। प्रारम्भ में रासबिहारी बोस ने देहरादून के वन अनुसंधान संस्थान में कुछ समय तक हेड क्लर्क के रूप में काम किया। उसी दौरान उनका क्रान्तिकारी जतिन मुखर्जी की अगुआई वाले युगान्तर नामक क्रान्तिकारी संगठन के अमरेन्द्र चटर्जी से परिचय हुआ और वह बंगाल के क्रान्तिकारियों के साथ जुड़ गये। बाद में वह अरबिंदो घोष के राजनीतिक शिष्य रहे यतीन्द्रनाथ बनर्जी उर्फ निरालम्ब स्वामी के सम्पर्क में आने पर संयुक्त प्रान्त, (वर्तमान उत्तर प्रदेश) और पंजाब के प्रमुख आर्य समाजी क्रान्तिकारियों के निकट आये।

दिल्ली में जार्ज पंचम के 12 दिसंबर 1911 को होने वाले दिल्ली दरबार के बाद जब वायसराय लॉर्ड हार्डिंग की दिल्ली में सवारी निकाली जा रही थी तो उसकी शोभायात्रा पर वायसराय लार्ड हार्डिंग पर बम फेंकने की योजना बनाने में रासबिहारी की प्रमुख भूमिका रही थी। अमरेन्द्र चटर्जी के एक शिष्य बसन्त कुमार विश्वास ने उन पर बम फेंका लेकिन निशाना चूक गया। इसके बाद ब्रिटिश पुलिस रासबिहारी बोस के पीछे लग गयी और वह बचने के लिये रातों-रात रेलगाडी से देहरादून खिसक लिये और आफिस में इस तरह काम करने लगे मानो कुछ हुआ ही नहीं हो। अगले दिन उन्होंने देहरादून के नागरिकों की एक सभा बुलायी, जिसमें उन्होंने वायसराय पर हुए हमले की निन्दा भी की। इस प्रकार उन पर इस षडयन्त्र और काण्ड का प्रमुख सरगना होने का किंचितमात्र भी सन्देह किसी को न हुआ। 1913 में बंगाल में बाढ़ राहत कार्य के दौरान रासबिहारी बोस जतिन मुखर्जी के सम्पर्क में आये, जिन्होंने उनमें नया जोश भरने का काम किया। रासबिहारी बोस इसके बाद दोगुने उत्साह के साथ फिर से क्रान्तिकारी गतिविधियों के संचालन में जुट गये। भारत को स्वतन्त्र कराने के लिये उन्होंने प्रथम विश्व युद्ध के दौरान गदर की योजना बनायी। फरवरी 1915 में अनेक भरोसेमंद क्रान्तिकारियों की सेना में घुसपैठ कराने की कोशिश की गयी।

जापान में

युगान्तर के कई नेताओं ने सोचा कि यूरोप में युद्ध होने के कारण चूँकि अभी अधिकतर सैनिक देश से बाहर गये हुये हैं, अतः शेष बचे सैनिकों को आसानी से हराया जा सकता है लेकिन दुर्भाग्य से उनका यह प्रयास भी असफल रहा और कई क्रान्तिकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया। ब्रिटिश खुफिया पुलिस ने रासबिहारी बोस को भी पकड़ने की कोशिश की लेकिन वह उनके हत्थे नहीं चढ़े और भागकर विदेश से हथियारों की आपूर्ति के लिये जून 1915 में राजा पी. एन. टैगोर के छद्म नाम से जापान के शहर शंघाई में पहुँचे और वहाँ रहकर भारत देश की आजादी के लिये काम करने लगे। इस प्रकार उन्होंने कई वर्ष निर्वासन में बिताये। जापान में भी रासबिहारी बोस चुप नहीं बैठे और वहाँ के अपने जापानी क्रान्तिकारी मित्रों के साथ मिलकर देश की स्वतन्त्रता के लिये निरन्तर प्रयास करते रहे। उन्होंने जापान में अंग्रेजी अध्यापन के साथ लेखक व पत्रकार के रूप में भी काम प्रारम्भ कर दिया। उन्होंने वहाँ न्यू एशिया नाम से एक समाचार-पत्र भी निकाला। केवल इतना ही नहीं, उन्होंने जापानी भाषा भी सीखी और 16 पुस्तकें लिखीं। उन्होंने टोकियो में होटल खोलकर भारतीयों को संगठित किया तथा का जापानी भाषा में अनुवाद किया।

ब्रिटिश सरकार अब भी उनके पीछे लगी हुई थी और वह जापान सरकार से उनके प्रत्यर्पण की माँग कर रही थी, इसलिए वह लगभग एक साल तक अपनी पहचान और आवास बदलते रहे। 1916 में जापान में ही रासबिहारी बोस ने प्रसिद्ध पैन एशियाई समर्थक सोमा आइजो और सोमा कोत्सुको की पुत्री से विवाह कर लिया और 1923 में वहाँ की नागरिकता ले ली। जापान में वह पत्रकार और लेखक के रूप में रहने लगे। जापानी अधिकारियों को भारतीय राष्ट्रवादियों के पक्ष में खड़ा करने और देश की आजादी के आन्दोलन को उनका सक्रिय समर्थन दिलाने में भी रासबिहारी बोस की अहम भूमिका रही। उन्होंने 28 मार्च 1942 को टोक्यो में एक सम्मेलन बुलाया जिसमें इंडियन इंडीपेंडेंस लीग की स्थापना का निर्णय किया गया। इस सम्मेलन में उन्होंने भारत की आजादी के लिए एक सेना बनाने का प्रस्ताव भी पेश किया।

आईएनए का गठन

22 जून 1942 को रासबिहारी बोस ने बैंकाक में लीग का दूसरा सम्मेलन बुलाया, जिसमें सुभाष चंद्र बोस को लीग में शामिल होने और उसका अध्यक्ष बनने के लिए आमन्त्रित करने का प्रस्ताव पारित किया गया। जापान ने मलय और बर्मा के मोर्चे पर कई भारतीय युद्धबन्दियों को पकड़ा था। इन युद्धबन्दियों को इण्डियन इण्डिपेण्डेंस लीग में शामिल होने और इंडियन नेशनल आर्मी (आई0एन0ए0) का सैनिक बनने के लिये प्रोत्साहित किया गया। आई0एन0ए0 का गठन रासबिहारी बोस की इण्डियन नेशनल लीग की सैन्य शाखा के रूप में सितम्बर 1942 को किया गया। बोस ने एक झण्डे का भी चयन किया जिसे आजाद नाम दिया गया। इस झण्डे को उन्होंने सुभाष चंद्र बोस के हवाले किया। रासबिहारी बोस शक्ति और यश के शिखर को छूने ही वाले थे कि जापानी सैन्य कमान ने उन्हें और जनरल मोहन सिंह को आई0एन0ए0 के नेतृत्व से हटा दिया लेकिन आई0एन0ए0 का संगठनात्मक ढाँचा बना रहा। बाद में इसी ढाँचे पर सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिन्द फौज के नाम से आई0एन0एस0 का पुनर्गठन किया।

भारत को ब्रिटिश शासन की गुलामी से मुक्ति दिलाने की जी-तोड़ मेहनत करते हुए किन्तु इसकी आस लिये हुए 21 जनवरी 1945 को इनका निधन हो गया। उनके निधन से कुछ समय पहले जापानी सरकार ने उन्हें आर्डर ऑफ द राइजिंग सन के सम्मान से अलंकृत भी किया था।

मुख्य कालक्रम

25 मई, 1886 - बंगाल के बर्धमान जिले के सुबलदह गाँव में जन्म

1905 - बंग भंग के समय वे क्रान्तिकारी गतिविधियों में सम्मिलित होने लगे।

1908 - अरविन्द घोष और जतिन मुखर्जी के साथ अलीपुर बम काण्ड में शामिल ; ट्रायल से बचने के लिए बंगाल छोड़कर संयुक्त प्रान्त आदि में रहने लगे।

23 दिसम्बर, 1912 - हाथी पर सवार गवर्नर जनरल लॉर्ड हार्डिंग पर दिल्ली के चांदनी चौक में बम फेंकने की योजना एवं क्रियान्यवन

फरवरी, 1915 - भारत में 1857 जैसा विद्रोह करने की योजना पर कार्य ; लेकिन पुलिस को योजना का पता चल गया।

12 मई, 1915 - प्रियनाथ ठाकुर के छद्म नाम का सहारा लेकर कोलकाता से जापान निकल गये।

1915-1918 - जापान में अपना स्थान बदल-बदल शरणार्थी की तरह रहे; कुल 17 बार स्थान बदला।

तिमाही नतीजे के बीच रॉकेट बना यह सस्ता शेयर, लगा 5% अपर सर्किट, 2 से कम है भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। फार्मा सेक्टर से जुड़ी कंपनी- मुराए ऑर्गनाइजर ने मार्च तिमाही के नतीजों की घोषणा की है। कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 85 करोड़ रुपये का राजस्व और 7.5 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हासिल किया है। पूरे साल के नेट प्रॉफिट की बात करें तो पिछले वित्त वर्ष के 5.31 लाख के मुकाबले 7.51 करोड़ पर पहुंच गया। बता दें कि इस शेयर की कीमत 2 रुपये से भी कम है।

मुराए ऑर्गनाइजर ने 250 मिलियन के निवेश के साथ डिस्टिलरी में विस्तार करने की अपनी योजनाओं के बारे में बताया है। कंपनी ने पहले ही गुजरात के रणनीतिक रूप से अहम कच्छ क्षेत्र में कृषि भूमि खरीदने की अपनी मंशा की घोषणा की है। कंपनी का औद्योगिक और कृषि क्षेत्रों में विस्तार करने पर ध्यान इसकी अधिग्रहण योजनाओं से दिखता है। नियोजित अधिग्रहण के लिए अनुमानित निवेश 20 करोड़ से लेकर 25 करोड़ तक है। कच्छ की अनुकूल कृषि-जलवायु परिस्थितियों का उपयोग करते हुए कंपनी ने क्षेत्र का उपयोग बड़े पैमाने पर प्रीमियम-गुणवत्ता वाले अनार की खेती के लिए करने की योजना बनाई है।

इसके अलावा, स्मॉल-कैप कंपनी खरीदी गई संपत्ति पर एक डिस्टिलरी का निर्माण करने की योजना बना रही है, जिससे इसकी परिचालन क्षमताओं का विस्तार होगा और इसके उत्पादों की रेंज में सुधार होगा।

सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को मुराए ऑर्गनाइजर के शेयर ने इंट्राडे ट्रेड के दौरान 5% अपर सर्किट मारा। शुक्रवार को बीएसई पर शेयर 1.40 रुपये पर खुला, जो पिछले दिन के 1.35 रुपये के बंद भाव से 4% अधिक था। इसके बाद मुराए ऑर्गनाइजर का शेयर मूल्य 1.41 पर पहुंच गया, जो 5त्न के अपर सर्किट को दिखाता है। शेयर के 52 हफ्ते का हाई 2.73 रुपये है। वहीं, शेयर के 52 हफ्ते का लो 1.04 रुपये है। यह दोनों भाव पिछले साल था। शेयरहोल्डिंग पैटर्न की बात करें तो कंपनी के प्रमोटर्स के पास जीरो और पब्लिक शेयरहोल्डर्स के पास 100 फीसदी हिस्सेदारी है।

बाजार में तूफानी तेजी के बीच क्रैश हुआ यह डिफेंस शेयर, 28 मई को है अहम बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाजार में तूफानी तेजी के बीच शुक्रवार को डिफेंस सेक्टर की कंपनी अपोलो माइक्रो सिस्टम्स के शेयर बुरी तरह क्रैश हो गए। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन इस कंपनी के शेयर करीब 8% टूट गए और भाव 138.65 रुपये पर आ गया। ट्रेडिंग के दौरान शेयर 135.20 रुपये के निचले स्तर पर आ गया था। पिछले साल शेयर 88.10 रुपये के स्तर तक गया। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो लेवल है। जनवरी 2025 में शेयर 157 रुपये तक गया। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। बता दें कि रक्षा क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी ने पिछले तीन से पांच साल की अवधि में निवेशकों को कई गुना रिटर्न दिया है।

अपोलो माइक्रो सिस्टम्स ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए फाइनल डिविडेंड घोषित करने के लिए अपनी बोर्ड मीटिंग की तिथि की घोषणा की है। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा- हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक बुधवार, 28 मई, 2025 को हैदराबाद स्थित कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में आयोजित की जाएगी। बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी के इक्विटी शेयरों पर फाइनल डिविडेंड की सिफारिश पर विचार करना है। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स स्थिर शुरुआत के बाद तेजी से उछला और 769.09 अंक यानी 0.95 प्रतिशत बढ़कर 81,721.08 अंक पर बंद हुआ।

15 साल पुरानी कंपनी का आ रहा आईपीओ, 30 लाख शेयरों का है फ्रेश इश्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। परिवहन के विभिन्न साधनों का संचालन करने वाली कंपनी ब्लू वाटर लॉजिस्टिक्स का 40.5 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लॉन्च होने वाला है। यह आईपीओ 27 मई को खुलेगा। वहीं, 29 मई को क्लोजिंग होगी। इसके शेयर एनएसई इमर्ज मंच पर सूचीबद्ध होंगे।

क्या है प्राइस बैंड- ब्लू वाटर लॉजिस्टिक्स ने शनिवार को बताया कि उसने इसके लिए प्राइस बैंड 132-135 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने कहा कि निवेशक कम से कम 1,000 इक्विटी शेयरों या इसके गुणक के लिए बोली लगा सकेंगे। खुदरा निवेशक को एक लॉट के लिए न्यूनतम ?1,32,000 निवेश की जरूरत होगी। इस इश्यू का रजिस्ट्रार माशितला सिक्योरिटीज है। स्मार्ट होराइजन कैपिटल एडवाइजर्स इस इश्यू का एकमात्र बुक-रनिंग लीड मैनेजर है।

ब्लू वाटर लॉजिस्टिक्स पूरी तरह से 30 लाख तक शेयरों का फ्रेश इश्यू है। कंपनी का इरादा आईपीओ से प्राप्त शुद्ध राशि में से 10.51 करोड़ रुपये का उपयोग पूंजीगत खर्चों के लिए, 20 करोड़ रुपये का उपयोग वर्किंग कैपिटल जरूरतों में करने का है। इसके अलावा सामान्य कॉरपोरेट जरूरतों के लिए भी कंपनी आईपीओ से प्राप्त राशि का उपयोग करेगी।

ब्लू वाटर लॉजिस्टिक्स, लॉजिस्टिक उपलब्ध कराने एवं आपूर्ति चेन सॉल्यूशन प्रोवाइड करने के कारोबार में है। पिछले वित्त वर्ष (2024-25) में कंपनी की आय 196.18 करोड़ रुपये और नेट प्रॉफिट 10.67 करोड़ रुपये रहा है।

साल 2010 में स्थापित ब्लू वाटर लॉजिस्टिक्स मुख्य रूप से एक लॉजिस्टिक्स कंपनी है जो समुद्र, हवा और जमीन पर एंड-टू-एंड प्रोजेक्ट लॉजिस्टिक्स, एससीएम, वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिकल सहायता सेवाएं प्रदान करने में माहिर है।

5900% का मोटा रिटर्न, 5 साल में स्टॉक ने 1 लाख का बनाया 60 लाख

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार अच्छे स्टॉक के चयन करने की योग्यता और धैर्य बनाए रखने वाले निवेशकों को लॉन्ग टर्म में मोटा रिटर्न दे सकता है। आरएमसी स्विचगियर्स ने लॉन्ग टर्म में निवेशकों को मालामाल बना दिया है। बीते 5 साल में RMC Switchgears के शेयरों की कीमतों में 5900 प्रतिशत की तेजी आई है। जिसकी वजह से कभी 13 रुपये में बिकने वाला यह स्टॉक 775 रुपये के लेवल तक पहुंच गया। 5 साल पहले RMC Switchgears में एक लाख रुपये का दांव लगाने वाले निवेशकों का इंवेस्टमेंट बढ़कर 60 लाख रुपये हो चुका है। बता दें, 3 साल में इस मल्टीबैगर स्टॉक ने 3211 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

कैलेंडर ईयर 2018 से कैलेंडर ईयर 2020 के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 75 प्रतिशत की गिरावट आई है। इस स्टॉक ने मोमेंटम कैलेंडर ईयर 2021 में पकड़ा। इस साल स्टॉक की कीमतों में 45 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई है। 2022 में निवेशकों को 1039 प्रतिशत का फायदा हुआ है। वहीं, 2024 में स्टॉक की कीमतों में 83 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

बीते वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में आरएमसी स्विचगियर्स का नेट प्रॉफिट 21.26 करोड़ रुपये रहा है। जोकि इससे पहले के वित्त वर्ष में दूसरी ही छमाही में 6.83 करोड़ रुपये रहा था।

स्टील कंपनी को हुआ 1501 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट, डिविडेंड का ऐलान, रिकॉर्ड डेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेएसडब्ल्यू स्टील ने तिमाही नतीजों का ऐलान कर दिया है। कंपनी का नेट प्रॉफिट पिछले वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में 13.54 प्रतिशत बढ़कर 1,501 करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी ने बताया कि उसके मुनाफे में वृद्धि खर्च घटने के कारण हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 1,322 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने निवेशकों को डिविडेंड देने का भी फैसला किया है।

जेएसडब्ल्यू स्टील ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि मार्च तिमाही में उसकी कुल आमदनी घटकर 45,049 करोड़ रुपये रह गई, जो 2023-24 की समान तिमाही में 46,511 करोड़ रुपये थी। हालांकि कंपनी का खर्च पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की चौथी तिमाही में घटकर 43,032 करोड़ रुपये रह गया, जो 2023-24 की समान अवधि में 44,401 करोड़ रुपये था। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का नेट प्रॉफिट 61 प्रतिशत गिरकर 3,491 करोड़ रुपये रह गया, जो 2023-24 में 8,973 करोड़ रुपये था।

जेएसडब्ल्यू स्टील ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने पिछले वित्त वर्ष के लिए एक रुपये फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 2.80 रुपये का फाइनल डिविडेंड देने की सिफारिश की है। कंपनी की तरफ से इस डिविडेंड और एजीएम के लिए 8 जुलाई की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया गया है।

शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर 0.29 प्रतिशत की तेजी के साथ 1008.50 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। 2025 में कंपनी के शेयरों का भाव 11 प्रतिशत से अधिक चढ़ा है। वहीं, एक साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में करीब 10 प्रतिशत की तेजी आई है।

EPFO के 7 करोड़ सब्सक्राइबर्स के लिए खुशखबरी, 8.25% ब्याज दर को सरकार ने किया मंजूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए एम्प्लॉयीज प्रोविडेंट फंड पर 8.25 प्रतिशत ब्याज दर को मंजूरी दी है। इससे ईपीएफओ अपने सात करोड़ से अधिक सब्सक्राइबर्स के प्रोविडेंट फंड पर सालाना ब्याज जमा कर सकेगा। बता दें, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने 28 फरवरी को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) जमा पर 8.25 प्रतिशत की ब्याज दर को बरकरार रखने का फैसला किया था। यह इससे पिछले वित्त वर्ष में दिये गये ब्याज दर के बराबर है। तय किए ब्याज दर को वित्त मंत्रालय की मंजूरी के लिए भेजा गया था।

लेबर मिनिस्ट्री के एक अधिकारी ने पीटीआई से कहा, वित्त मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए ईपीएफ पर 8.25 प्रतिशत ब्याज दर देने पर सहमति दे दी है और श्रम मंत्रालय ने गुरुवार को ईपीएफओ को इस संबंध में सूचना दे दी है। अब वित्त वर्ष 2024-25 के लिए स्वीकृत दर के अनुसार ब्याज ईपीएफओ के सात करोड़ से अधिक सब्सक्राइबर्स के खातों में जमा किया जाएगा।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

रतलाम के जिला अस्पताल से बच्ची चोरी कर ले जा रही इंदौर की महिला को रेलवे पुलिस ने पकड़ा

रतलाम। रतलाम जिला अस्पताल के बरामदे में मां के साथ सो रही चार माह की बच्ची शीतल को चुराकर ले जा रही इंदौर की एक महिला को रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने पकड़ लिया। घटना स्टेशन रोड थाना क्षेत्र का होने से जीआरपी ने आरोपित महिला व बच्ची को स्टेशन रोड थाने को सौंप दिया, जहां महिला से पूछताछ की जा रही है।

जानकारी के अनुसार जीआरपी थाना प्रभारी मोतीराम चौधरी को एक ऑटो चालक ने सूचना दी थी कि शनिवार तड़के रेलवे स्टेशन के बाहर से एक महिला अकेले उसके ऑटो में बैठकर जिला अस्पताल गई थी। दस मिनट बाद वह एक बच्ची लेकर आई तथा ऑटो में आकर बैठ गई। उसने रेलवे स्टेशन छोड़ने के लिए कहा तो उसे स्टेशन के बाहर छोड़ दिया था।बच्ची को गोद में लेकर बैठी थी

सूचना पर थाना प्रभारी चौधरी ने तत्काल टीम गठित कर एएसआई नौशाद खान, प्रधान आरक्षक मनोहरलालल व साइन बैगम को तत्काल रेलवे स्टेशन क्षेत्र में उक्त महिला को तलाश करने के लिए रवाना किया। टीम ने उसकी खोजबीन शुरू की तो उक्त महिला बच्ची को गोद में लिए प्लेट फार्म नम्बर चार के बाहर एक स्थान पर बैठी दिखाई दी।

टीम ने उसके पास जाकर बच्ची के बार में जानकारी ली वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाई। इसके बाद उसे जीआरपी थाने ले जाया गया तो महिला ने बताया कि उसका नाम तरन्नूब बी पत्नी मेहफूज अंसारी है तथा वह राबर्ट चौराहा के पास खजराना इंदौर की रहने वाली है।

रेलवे स्टेशन के आसपास के क्षेत्रों में घूम रही थी

उसने अपना नाम 27 वर्षीय बताया कि वह बच्ची को जिला अस्पताल से लेकर आई है। आरोपित तरन्नुम व बच्ची को अग्रिम जांच के लिए स्टेशन रोड थाना पुलिस को सौंपा गया है। उधर, बच्ची की मां ने स्टेशन रोड थाने पर प्रकरण दर्ज कराया है। बताया जाता है कि आरोपित तरन्नुम तीन-चार दिन तक रतलाम रेलवे स्टेशन व आसपास के क्षेत्रों में घूम रही थी।

टीबी का इलाज कराने आई थीशीतल की मां किरण पत्नी गुनील बदले निवासी ग्राम अजंदा जिला धार ने स्टेशन रोड थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह ग्राम अंजदा की रहने वाली है तथा पिछले कुछ समय से अपनी मां रेखा, तीन वर्ष के पुत्र कृष्णा व चार माह की पुत्री शीतल के साथ जावरा में हुसैन टेकरी क्षेत्र के रोजाना रोड पर रह रही है।

मुझे टीबी की बीमारी हो गई है, इसलिए वह 23 मई की रात करीब आठ बजे मां, पुत्र व पुत्री के साथ इलाज कराने जिला अस्पताल आई थी। रात में इलाज नहीं होने से हम सभी लोग जिला अस्पताल के ओपीडी बरामदे में सो गए थे। रात करीब साढ़े तीन बजे उसके पास सो रही बेटी शीतल दिखाई नहीं दी। आसपास तलाश करने पर भी उसका पता नहीं चला। उसे कोई उठाकर ले गया है।

सही जानकारी नहीं दी

सूचना मिलने पर आरोपित तरन्नुम को बच्ची के साथ पकड़ा गया है। उसने सही जानाकरी नहीं दी। घटना स्थल स्टेशन रोड थाना क्षेत्र का होने से आरोपित महिला व बच्ची को स्टेशन रोड थाना पुलिस को सौंपा गया है। - मोतीराम चौधरी, थाना प्रभारी जीआरपी

पूछताछ की जा रही है

आरोपित महिला ने अभी यह नहीं बताया है कि उसने बच्ची को क्यों चुराया। उससे पूछताछ की जा रही है। - स्वराज डाबी, थाना प्रभारी स्टेशन रोड

MP में फिर पुलिस पर हमला, गुना जिले में अतिक्रमण करने वालों ने टीआई को मारा त्रिशूल

गुना । मध्य प्रदेश में पुलिस पर हमले रुकने का नाम नहीं ले रहे है। ताजा मामला गुना जिले के मधुसूदनगढ़ में सामने आया है। यहां अतिक्रमण हटाने पहुंचे प्रशासन और पुलिस पर अतिक्रमणकारियों ने हमला कर दिया। इस दौरान इन्होंने जामनेर थाना प्रभारी को त्रिशूल मार दिया।

जानकारी के मुताबिक मधुसूदनगढ़ में भोपाल रोड पर बस स्टैंड की जमीन से अतिक्रमण हटाने गए प्रशासन और पुलिस की टीम पर हमला हुआ। करीब 30 वर्ष पुराने अतिक्रमण को हटाने अमला पहुंचा था। इस दौरान जामनेर थाना प्रभारी सुरेश सिंह कुशवाहा पर त्रिशूल से हमला किया गया, जिससे उनके हाथ की हथेली कट गई और चोट आई है।पांच थानों को पुलिस पहुंची थी

पांच थानों की पुलिस एसडीएम राघौगढ़ विकास आनंद के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाने पहुंची थी। टीम में तहसीलदार, नायब तहसीलदार और राजस्व अमला शामिल था। दोपहर करीब 12 बजे यह घटना हुई है। लेखराज कुशवाहा पर हमले का आरोप है। लेखराज के बेटे द्वारा टीम पर पत्थर फेंके गए। पुलिस ने आरोपित को पकड़ लिया है।

घायल टीआई को मोटरसाइकिल से अस्पताल ले जाया गया। उक्त स्थान पर धार्मिक स्थान और कुछ घर बनाकर अतिक्रमण किया गया था। प्रशासन और पुलिस की टीम ने इस पर कार्रवाई की है।

दोस्त की मार्कशीट पर लगाया अपना फोटो, रिजर्वेशन से एडमिशन पाकर किया और फिर करने लगा अस्पताल में नौकरी

जबलपुर। भंवरताल स्थित मार्बल सिटी अस्पताल में आईसीयू में सेवा दे रहा डा. ब्रजलाल उइके वास्तव में सत्येंद्र निकला। उसने चिकित्सक बनने के लिए फर्जीवाड़ा किया था। स्कूल में साथ पढ़ने वाले ब्रजलाल उइके की अंकसूची पर अपना फोटो चिपकाकर एमबीबीएस में प्रवेश लिया था।

आरक्षित कोटे की सीट से आसानी से मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लेने के लिए उसने जालसाजी को अंजाम दिया था। ओमती पुलिस की छानबीन में सत्येंद्र के फर्जीवाड़े का पर्दाफाश हुआ है। आरोपित ने अस्पताल प्रबंधन को भी वर्षों तक धोखे में रखा। पुलिस आरोपित सत्येंद्र के विरुद्ध धोखाधड़ी का मामला पंजीबद्ध किया है।ऐसे खुली पोल रेलवे सौरभ ऑफीसर्स कॉलोनी निवासी मनोज कुमार महावर की मां शांति देवी की दो सितंबर, 2024 को मार्बल सिटी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई थी। अस्पताल की ओर मनोज को मां की सौंपी गई मेडिकल रिपोर्ट में बताया गया कि उनसे शांति देवी को वेंटीलेटर में रखने के लिए आइसीयू डाक्टर ने सहमति मांगा था। जो उन्होंने प्रदान नहीं की। उस दिन आइसीयू में एक सितंबर को रात 11 से दो सितंबर के तड़के चार बजे के बीच डा. ब्रजलाल सिंह उइके की ड्यूटी की जानकारी दी।

जबकि मनोज से आइसीयू डॉक्टर ने वेंटीलटर को लेकर कोई सहमति नहीं मांगा था। मामले में बातचीत के लिए जब मनोज ने डॉ. ब्रजलाल से अस्पताल में मिलना चाहा तो प्रबंधन ने मिलने नहीं दिया। अपने स्तर पर जब उन्होंने जानकारी जुटाया तो पता चला कि अस्पताल में ब्रजलाल नाम का चिकित्सक नहीं है।आईसीयू में डॉ. सत्येंद्र थे। ब्रजलाल की डिग्री के आधार पर मनोज जब उनके पते पर पहुंचे तो वहां एक पेंटर मिला। जिसने फोटो देखकर बताया कि वह उसके साथ स्कूल में पढ़ने वाला सत्येंद्र है। मनोज का शक गहराया और उसने ओमती थाने में फर्जीवाड़े की शिकायत की।पुलिस को आरंभिक जांच में पता चला है कि ब्रजलाल कटनी का निवासी है। आरोपित सत्येंद्र उसके साथ स्कूल में पढ़ता था।

बस ड्राइवर को आई नींद की झपकी, रेलिंग तोड़ 50 फीट गहरी खाई में गिरी... 15 यात्री घायल

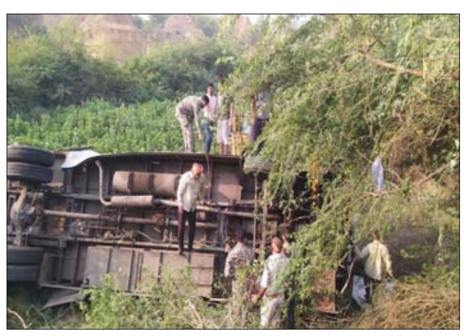

भिंड/फूफ । दिल्ली से अटेर जा रही यात्री बस के चालक को चंबल पुल पार करते ही नींद की झपकी आ गई। हाइवे की रेलिंग तोड़ते हुए बस 50 फीट गहरी खाई में जाकर पलट गई। ग्रामीणों ने तुरंत थाने में सूचना दी और रस्सी लेकर घटना स्थल पर आए।

ग्रामीण खाई में नीचे उतरे और घायलों को रस्सी के सहारे ऊपर पहुंचा। 11 घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जबकि चार यात्रियों की गंभीर हालत देखते हुए एंबुलेंस से ग्वालियर भेजा गया है। घटना शनिवार सुबह साढ़े छह बजे फूफ थाना अंतर्गत बरही गांव के पास की है।दिल्ली से अटेर जा रही थी बस

जानकारी के अनुसार बस क्रमांक यूपी 79 टी 5031 शुक्रवार रात करीब नौ बजे दिल्ली के मंगलपुरी से सवारी लेकर अटेर के लिए चली। शनिवार सुबह भिंड-इटावा हाइवे स्थित चंबल पुल को पार करते ही मोड़ पर अचानक चालक को नींद की झपकी आ गई। इससे बस हाइवे किनारे रेलिंग तोड़ते हुए 50 फीट गहरी खाई में पलट गई।

बस के पलटते ही सवारियों की चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद तुरंत बरही गांव के ग्रामीण रस्सी लेकर मौके पर पहुंचे और खंती में उतर गए। इस दौरान फूफ थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने ग्रामीणों की सहायता से एक-एककर सवारियों को बस से निकलना शुरू किया और रस्सी के सहारे यात्रियों को ऊपर पहुंचाया।

हादसे में यह हुए घायल बस पलटने से 28 वर्षीय रचना पत्नी राघवेंद्र बघेल निवासी बडेरी थाना फूफ, चार वर्षीय सुमित पुत्र राघवेंद्र बघेल निवासी बडेरी, तीन वर्षीय रोहित पुत्र राघवेंद्र बघेल निवासी बडेरी, 20 वर्षीय खुशबू पत्नी दीपू बघेल निवासी रानी बिरगवां, 45 वर्षीय राजवीर पुत्र जगन्नाथ बघेल निवासी रानी बिरगवां, 26 वर्षीय सीता पत्नी राहुल बघेल निवासी मुकुटसिंह का पुरा, 24 वर्षीय आकाश पुत्र राजकुमार कुशवाह निवासी परा, 37 वर्षीय प्रेमलती पत्नी राजकुमार कुशवाह निवासी परा, 30 वर्षीय रीना पत्नी दिनेश बघेल निवासी बघेली बहादुरपुरा, 10 वर्षीय गरिमा पत्नी दिनेश बघेल, आठ वर्षीय वंश पुत्र दिनेश बघेल निवासी बघेली बहादुरपुरा थाना रौन घायल हो गई। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जाता है, कि चार घायलों की गंभीर हालत देखते हुए ग्वालियर भेजा गया है।नींद में थे बस के यात्रीजिला अस्पताल में घायल रचना बघेल, रीना बघेल ने बताया कि सुबह होने के कारण बस में अधिकांश यात्री नींद में थी। बस के अंदर और छत पर लगेज भी भरा हुआ था। अचानक जब बस अनियंत्रित हुई तब हादसे का पता चला।

लव मैरिज के बाद गृह क्लेशज बहन को ससुराल छोड़ने आए साले को जीजा ने मार डाला, एमपी की घटना

भितरवार। भितरवार तहसील के सहारन गांव में गुरुवार रात जीजा ने साले की गोली मारकर हत्या कर दी। साला बहन को ससुराल छोड़ने आया था। इसी बीच विवाद में जीजा ने गोली चला दी, जो बचाने आई उसकी पत्नी के चेहरे पर लगती हुई साले के सीने में जा धंसी।

घटना के बाद आरोपी परिवार सहित फरार हो गया है। घटना का लाइव वीडियो भी सामने आया है, क्योंकि जब मौके पर पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ तो साला मोबाइल से वीडियो बनाने लगा था, इसी पर जीजा और गुस्से में आ गया और घटना को अंजाम दे डाला।तीन साल पहले हुई थी लव मैरिज शादी

भितरवार थाना क्षेत्र के वार्ड नौ में रहने वाले मंजीत सिंह ने तीन साल पहले बेटी दलजीत कौर की शादी सहारन गांव निवासी विक्रमजीत उर्फ विक्की संधू से की थी। दोनों की लव मैरिज थी, शादी के कुछ दिन बाद से पति-पत्नी के बीच लगातार विवाद हो रहे थे और वह कुछ दिन पहले मायके में रहने आ गई थी।

इन्दौर के वेस्टर्न बायपास का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होगा

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने वेस्टर्न बायपास के शेष भू-अर्जन का कार्य दो दिन में पूरा करने के दिये निर्देश

इंदौर। इंदौर में बनने वाले 6-लेन वेस्टर्न बायपास के निर्माण को लेकर प्रक्रिया तेजी से जारी है। वेस्टर्न बायपास का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होगा। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिये कि इस बायपास के शेष भू-अर्जन का कार्य अगले दो दिन अर्थात सोमवार तक पूरा कर लिया जाये। उन्होंने निर्माण कार्य प्रारंभ करने की अन्य औपचारिकताएं भी इसी अवधि में पूरी करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में आज रेसीडेंसी में इन्दौर के वेस्टर्न बायपास के भूमि अधिग्रहण कार्यवाही हेतु समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के क्षेत्रीय अधिकारी श्री श्रवण कुमार सिंह, इन्दौर के परियोजना निदेशक श्री सुमेश बांझल, भू-अर्जन विशेषज्ञ श्री एस.एन. रूपला के साथ एसडीएम देपालपुर, हातोद एवं सांवेर भी उपस्थित थे। बैठक में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा इन्दौर शहर के वेस्टर्न बायपास के भूमि अधिग्रहण भू-अर्जन हेतु की गई कार्यवाही की विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक के दौरान भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण प्राधिकरण की ओर से भू-अर्जन विशेषज्ञ श्री एस.एन. रूपला द्वारा इन्दौर के वेस्टर्न बायपास के भू-अर्जन हेतु तैयार किये गये ड्राफ्ट 3त्र की विस्तृत जानकारी दी गई।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने सभी एसडीएम को भू-अर्जन हेतु 3त्र की कार्यवाही सोमवार तक पूर्ण करने हेतु निर्देश दिये, ताकि वेस्टर्न बायपास का निर्माण अतिशीघ्र प्रारंभ किया जा सके। इसके अलावा कलेक्टर श्री सिंह ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की अन्य निर्माणाधीन परियोजनाओं जिनमें तेजाजीनगर से बलवाड़ा 4 लेन मार्ग, इन्दौर से राघवगढ़ 4-लेन मार्ग तथा इन्दौर-देवास बायपास पर एम.आर 10 जंक्शन, रालामंडल एवं अर्जुन बडौद पर फ्लायओवर निर्माण कार्यों की समीक्षा भी की। कलेक्टर श्री सिंह ने उक्त निर्माणाधीन कार्यों हेतु भूमि अधिगृहण से संबंधित समस्याओं का जल्द-जल्द से निराकरण करने, मार्ग निर्माण हेतु भूमि का कब्जा ह्ला्ढ को सौंपने हेतु संबंधित एसडीएम को निर्देशित किया। जिससे समस्त निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण किये जा सके एवं जनसामान्य को ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिले तथा यातायात का आवागमन सुगमता से संचालित हो सके।

नौतपा में भी भीगता रहेगा इंदौर, गर्मी और उमस से राहत देंगे मौसम के बदलाव

इंदौर। इंदौर में मई की भीषण गर्मी और उमस के बीच राहत भरी बारिश का दौर जारी है। शनिवार को शहर में तेज हवाएं चलीं जिससे मौसम में हल्की ठंडक घुल गई। अब तक मई के 23 दिनों में 162.5 मिमी यानी सवा छह इंच से अधिक बारिश दर्ज की जा चुकी है। मौसम विभाग ने आने वाले दो से तीन दिनों में तेज हवाएं और बारिश की संभावना जताई है। शुक्रवार को भी पारे से थोड़ी राहत मिली और दिन का तापमान 1.9 डिग्री गिरकर 34.4 पर आ गया वहीं रात का पारा 0.7 डिग्री गिरकर 24.1 पर आ गया। दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ एक्टिव

सीनियर मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा के अनुसार, इस समय दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन और एक ट्रफ मध्यप्रदेश से होकर गुजर रहे हैं। इन मौसमी गतिविधियों के कारण प्रदेश में मौसम लगातार बदल रहा है। अनुमान है कि अगले दो से तीन दिन तक यही स्थिति बनी रहेगी।

दिन का तापमान लगातार 36 डिग्री सेल्सियस से अधिक और रात का तापमान 23-24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रिकॉर्ड किया जा रहा है।

शुक्रवार को उमस से बेहाल रहे लोग, शनिवार को राहत- शुक्रवार को सुबह से मौसम साफ था, लेकिन दिनभर उमस ने लोगों को खासा परेशान किया। इसके विपरीत शनिवार को तेज हवाओं के साथ मौसम में राहत महसूस की गई।

इंदौर के दतोदा गांव में कुएं में गिरा तेंदुआ,रालामंडल वन विभाग की टीम ने बचाया

इंदौर। जिले में कुएं में गिरे तेंदुए को वन विभाग ने जिंदा बाहर निकाला है। वह पानी से भरे कुएं में गिर गया था। पाइप के सहारे वह कुएं में रहा। सुबह जब किसान की नजर उस पर पड़ी तो वन विभाग को सूचना दी। पिंजरा डालकर उसे बाहर निकाला गया। संभवत~ वह रात भर से कुएं में था।

इंदौर से करीब 20 किलोमीटर दूर दतोदा गांव के एक खेत के कुएं में तेंदुआ गिर गया था और ग्रामीणों की भीड़ इसके आस-पास जमा हो गई थी। इसकी सूचना मिलने पर वन विभाग ने बचाव दल भेजकर तेंदुए को पानी से भरे कुएं से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। जब उसे इंदौर के चिड़ियाघर में लाए तो वह पिंजरे में बैठे-बैठे गुर्राता रहा - रेंजर योगेश यादव ने बताया तेंदुए को इंदौर के चिड़ियाघर लाकर पिंजरे में कुछ समय के लिए निगरानी में रखा गया है। स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उसे जंगल में छोड़ दिया जाएगा। गर्मी बढ़ने पर तेंदुए भोजन और पानी की तलाश में जंगल से भटक कर मानवीय बसाहटों के पास आ जाते हैं।

क्राफ्टरूट्स प्रदर्शनी 2025 का भव्य शुभारंभ

भारतीय हस्तशिल्प की महक से गुलजार हुआ इंदौर, देशभर के कलाकारों को मिला साझा मंच

इंदौर। भारतीय कला और शिल्प की गरिमा को समर्पित क्राफ्टरूट्स प्रदर्शनी 2025 का शुभारंभ बुधवार को इंदौर के बास्केटबॉल कॉम्प्लेक्स, रेसकोर्स रोड पर हुआ। यह भव्य प्रदर्शनी 22 से 26 मई तक प्रतिदिन सुबह 10:30 बजे से रात 9:00 बजे तक आम जन के लिए खुली रहेगी।

शुभारंभ समारोह में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के अध्यक्ष प्रवीण कुमार खरीवाल, क्राफ्टरूट्स की संस्थापिका अनार पटेल, सीईओ अनिल छतवाल और कलास्तंभ के निदेशक पुष्कर सोनी मंच पर उपस्थित रहे।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा- भारतीय ग्राम संस्कृति और हस्तकला हमारी आत्मा हैं। इस प्रकार के आयोजनों से न केवल कारीगरों को नई पहचान मिलती है, बल्कि देश की सांस्कृतिक विविधता भी सामने आती है।

पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने कहा- जब आनंदीबेन जी शिक्षा मंत्री थीं, तब उनसे मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। ग्रामश्री और क्राफ्टरूट्स की शुरुआत वाकई में अद्भुत है। जिस तरह से कलाकारों को पूरे देशभर में मंच मिल रहा है, वह अतुलनीय है।

स्वास्थ्य जागरूकता,जांच और उपचार के लिए इंदौर के सभी संजीवनी केन्द्रों और स्वास्थ्य केन्द्रों में 5 जून से लगेंगे विशेष प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप शिविर

इंदौर। नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने की दिशा में इंदौर में एक नई पहल की जा रही है। आगामी 5 जून से जिले के सभी संजीवनी केंद्रों और शहरी स्वास्थ्य केंद्रों पर विशेष संजीवनी प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में विभिन्न प्रकार की निशुल्क स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। आवश्यकता होने पे उपचार भी मुहैया कराया जायेगा। यह अभिनव पहल संभागायुक्त श्री दीपक सिंह और कलेक्टर श्री आशीष सिंह के मार्गदर्शन में शुरू की जा रही है। इंदौर में प्रारंभ होने वाले ये शिविर बाद में संभाग के अन्य जिलों में भी आयोजित किए जाएंगे।

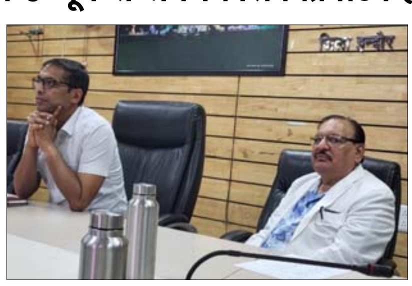

स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन जिला प्रशासन और अरविंदो अस्पताल के संयुक्त प्रयासों से किया जा रहा है। आयोजन की तैयारियाँ शुरू कर दी गई हैं। इसी संदर्भ में आज कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें अरविंदो अस्पताल के संस्थापक डॉ. विनोद भंडारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी और प्रतिनिधि मौजूद रहे। बताया गया कि इन शिविरों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम मौजूद रहेगी और नागरिकों को मुफ्त परामर्श, परीक्षण तथा आवश्यक दवाइयां भी दी जाएंगी।

प्रदेश में स्वच्छ भारत मिशन 2.0 का प्रभावी क्रियान्वयन

इंदौर। मध्यप्रदेश में स्वच्छ भारत मिशन 2.0 (शहरी) के अंतर्गत नगरों में गतिविधियां निरंतर जारी हैं। मिशन के तहत सभी गतिविधियां एक अक्टूबर 2026 तक संचालित होंगी। इसके लिये लक्ष्य भी तय कर लिये गये हैं। इन गतिविधियों में प्रमुख रूप से उपयोगी जल के प्रबंधन के साथ स्वच्छता व्यवहारों को संस्थागत स्वरूप प्रदान करते हुए उन्हें व्यवहारिक बनाना है। आगामी वर्षों में प्रदेश के शहरों को कचरा मुक्त बनाना, खुले में शौच से मुक्ति, मानदंडों ओडीएफ+, ओडीएफ++, वॉटर+ को स्थायी बनाये रखना, इसी के साथ स्वच्छता को जन आंदोलन बनाने के लिये नागरिकों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रयास किये जा रहे हैं। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत सभी कार्यवाही नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत सुनिश्चित की जा रही हैं।

स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के लक्ष्य- स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के तहत प्रदेश में स्त्रोत पृथक्कीकरण, निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट सहित कचरे के सभी भागों का पूर्ण प्रसंस्करण, प्लास्टिक अपशिष्ट और सिंगल यूज प्लास्टिक को चरणबद्ध रूप से कम करना और संपूर्ण लीगेसी वेस्ट को उपचारित करते हुए सभी शहरों को कचरा मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इस मिशन में इस बात पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है कि सीवर्स, सेप्टिक टैंक की सफाई में मानव श्रम को सीधे रूप से रोका जाये और मशीनों के माध्यम से सफाई की व्यवस्था की जाये। शहरी क्षेत्रों में उपयोगी जल को जल संरचनाओं में जाने से पूर्व उपचार और पुर्न-उपयोग के लिये सीवेज ट्रीटमेंट इकाई, नालों में इंटरसेप्शन व डायवर्जन आदि सुविधाओं का विकास करना प्रमुख है।

वित्तीय प्रावधान- स्वच्छ भारत मिशन 2.0 (शहरी) में मध्यप्रदेश में संचालित योजनाओं के लिये करीब 4 हजार 914 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है, जिसमें करीब 2200 करोड़ रूपये की राशि केन्द्र सरकार की ओर से और 1800 करोड़ रूपये राशि राज्य सरकार के अंशदान के रूप में होगी।

धार्मिक एवं पर्यटन स्थल पर सुलभ कॉम्प्लेक्स की व्यवस्था- स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत नगरीय क्षेत्रों में उन स्थानों को चिन्हित किया जा रहा है, जिन स्थानों पर आवाजाही ज्यादा होती है। इनमें धार्मिक स्थल, पर्यटन स्थल के आस-पास सुलभ काम्प्लेक्स की सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिये नगरीय निकायों को कहा गया है।

सेवा और सुकून के सामने गौण हैं पद, पैसा और प्रतिष्ठा : अनार पटेल

इंदौर। नेपोकिड्स की अपनी परेशानी और स्ट्रगल होता है। राजनेताओं के बच्चों को अपनी छवि उज्ज्वल रखने का ध्यान रखने के साथ अपनी पहचान बनाने के लिए भी संघर्ष करना होता है। मैंने बचपन से अपनी अलग पहचान बनाने के लिए मेहनत की है।

ये बात गुजरात की सोशल एंटरप्रेन्योर श्रीमती अनार पटेल ने स्टेट प्रेस क्लब, मप्र के संवाद कार्यक्रम में कही। उन्होंने अनुरोध किया कि किसी को उसके स्वयं के कामों के हिसाब से देखें, उनकी पृष्ठभूमि से नहीं। वे तीन दशकों से अधिक समय महिला सशक्तिकरण, हस्तकला के कारीगरों को उचित मंच और बाज़ार दिलाने आदि उद्देश्यों के लिए अनेक एनजीओ के माध्यम से 30 से अधिक प्रोजेक्ट संचालित कर रही हैं। उन्होंने अपने बचपन को याद करते हुए बताया कि उनकी माँ, वर्तमान में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल, ने उन्हें सातवीं कक्षा में ही कहा था कि आगे पढ़ना है तो दूसरे बच्चों को पढ़ाना होगा।

माँ की बात हिटलर जैसी लगी - सुश्री पटेल ने कहा कि बचपन में उन्हें अपनी माँ की बात हिटलर जैसी लगी लेकिन उन्होंने घर के समीप की झुग्गी बस्ती में वंचित बच्चों को पढ़ाना शुरू किया। उस वक्त से उनका समाजसेवा से जो नाता जुड़ा वह आजतक अटूट है। गांधीजी की विचारधारा से प्रभावित सुश्री पटेल ने गांधी आश्रम ट्रस्ट के माध्यम से कई सेवा कार्यों से जुड़ी रहीं और वहीं मिले अपने जीवनसाथी के साथ मानव साधना संस्था बनाकर जरूरतमंद बच्चों की मदद प्रारम्भ की।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकर !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

संभागायुक्त श्री गुप्ता की अध्यक्षता एवं सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री सिंह की उपस्थिति में सिंहस्थ की संभागीय समिति की बैठक आयोजित हुई

उज्जैन । संभागायुक्त श्री संजय गुप्ता की अध्यक्षता एवं सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह की उपस्थिति में सिंहस्थ कार्यों की संभागीय समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में संभागायुक्त श्री गुप्ता ने सिंहस्थ के स्वीकृत निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा कर संबंधित कलेक्टर और अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्यों की सूक्ष्मता से सतत मॉनिटरिंग करें जिससे सिंहस्थ 2028 के सभी कार्य समयावधि से पूर्व पूर्ण हो सके। कार्यों की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। संभागायुक्त श्री गुप्ता ने बैठक में निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशानुरूप वह सभी कार्य जिनमें जनता का सीधा हित है,उन सभी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे।

बैठक में सिंहस्थ मेला अधिकारी ने मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए कि सिंहस्थ के सभी बड़े कार्य सिंहस्थ सब डिवीजन को स्थानांतरित कर दे। उज्जैन नगर निगम द्वारा प्रस्तुत फायर फाइटिंग प्लान पर सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री सिंह ने निर्देश दिए कि यह कार्ययोजना व्यवस्थित रूप से बनाकर फेस 2 के कार्यों में प्रस्तुत करे । बैठक में 15 महत्वपूर्ण शिप्रा घाटों के उन्नयन कार्य की समिति द्वारा अनुशंसा की गई और कार्य स्वीकृति के पश्चात कार्य की डीपीआर तुरंत तैयार कर कार्य जल्द पूर्ण करने के निर्देश सिंहस्थ मेला अधिकारी ने दिए।

बैठक में संभाग स्तरीय समिति द्वारा उज्जैन,देवास ,खंडवा,नीमच,मंदसौर जिलों के सिंहस्थ अंतर्गत प्रस्तावित कार्यों की अनुशंसा भी की गई। बैठक में देवास,उज्जैन,नीमच जिलों के कलेक्टर भौतिक रूप से उपस्थित रहे। कलेक्टर खंडवा एवं प्रभारी कलेक्टर मंदसौर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से उपस्थित रहे। बैठक में संभाग के संबंधित विभाग के संभागीय एवं जिला अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री से अनुरोध, शहीद सुनील गुर्जर की प्रतिमा अनावरण राजकीय सम्मान के साथ हो

उज्जैन। संभाग पूर्व सैनिक कल्याण संगठन के पदाधिकारियों ने अपने पूर्व सैनिक साथियों के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम एक पत्र उनके दशहरा मैदान स्थित कार्यालय पर कार्यालय प्रभारी नमित यादव को सौंपा।

पत्र में आग्रह किया गया कि सिपाही सुनील गुर्जर, 23 जाट रेजिमेंट, निवासी ग्राम नानुखेड़ा, तहसील तराना, जिला उज्जैन 9 अक्टूबर 2021 को छुट्टी से अपनी ड्यूटी पर जाते समय सड़क दुर्घटना में शहीद हो गए थे। उस समय शहीद का अंतिम संस्कार उनके गृह ग्राम में सेना एवं प्रशासन द्वारा सम्पूर्ण राजकीय सम्मान के साथ विशाल जन सैलाब की उपस्थिति में किया गया था। शहीद सैनिक के छोटे भाई राहुल गुर्जर द्वारा बताया गया कि उस समय क्षेत्रीय विधायक महेश परमार द्वारा शहीद सिपाही सुनील गुर्जर की स्मृति में द्वार बनवाने की घोषणा की गई थी। शहीद के परिवारजन द्वारा संबंधित औपचारिकताएं पूरी कर कई बार विधायक से मिले भी। किन्तु साढ़े तीन वर्ष बीतने के उपरांत भी शहीद की स्मृति में कोई द्वार निर्माण या प्रतिमा की स्थापना नहीं करवाई जा सकी है। अतः शहीद के परिजनों द्वारा स्वयं की भूमि पर करीब 7 लाख रूपये की निजी राशि व्यय कर शहीद सुनील गुर्जर की प्रतिमा एवं चबूतरे का निर्माण करवाया गया है। जिसका 8 जून 2025 रविवार सुबह 10 बजे ग्राम नानूखेड़ा, तहसील तराना, जिला उज्जैन में लोकार्पण किया जाना है।

उज्जैन संभाग पूर्व सैनिक कल्याण संगठन के अध्यक्ष सूबेदार कमल सोनी (सेवा निवृत) ने उज्जैन जिले के सभी पूर्व सैनिको की और से पत्र द्वारा मुख्यमंत्री से निवेदन किया है कि अमर शहीद सुनील गुर्जर की प्रतिमा अनावरण का कार्यक्रम पूर्ण राजकीय सम्मान के साथ शासन द्वारा मुख्यमंत्री की गरिमाममई उपस्थिति में किया जाना चाहिए।

कवयित्री डॉ. उर्मि शर्मा की दो पुस्तकों का लोकार्पण आज

उज्जैन। प्रख्यात कवयित्री डॉ. उर्मि शर्मा की दो पुस्तकों 'हिन्दी साहित्य के स्वर' एवं 'मौन रहकर गूंजते हैं शब्द', का लोकार्पण मध्यप्रदेश लेखक संघ उज्जैन के तत्वावधान में आज रविवार 25 मई को श्रीराम जानकी मंदिर नीलगंगा में सायं 5.30 बजे आयोजित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश लेखक संघ उज्जैन के सचिव डॉ. हरीशकुमार सिंह ने बताया कि लोकार्पण प्रसंग के प्रमुख अतिथि पूर्व कुलपति डॉ. मोहन गुप्त एवं सारस्वत अतिथि पूर्व कुलपति विक्रम विश्वविद्यालय डॉ. बालकृष्ण शर्मा उज्जैन होंगे। अध्यक्षता मध्यप्रदेश लेखक संघ उज्जैन के अध्यक्ष प्रो. हरिमोहन बुधौलिया करेंगे। प्रमुख वक्ता विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलानुशासक प्रो. शैलेन्द्रकुमार शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि महर्षि पाणिनी विवि के कुलपति डॉ. सी. जी. विजयमेनन, विशेष अतिथि पूर्व कुलपति इग्नो नई दिल्ली प्रो. नागेश्वर राव एवं मालवी साहित्यकार डॉ. शिव चौरसिया होंगे। पुस्तक चर्चा डॉ. पिलकेंद्र अरोरा करेंगे।

खेलों इंडिया बीच गेम्स-2025 में ओवरऑल चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

उज्जैन। दीव मे चल रहें खेलो इण्डिया बीच गेम्स के अंतिम दिन के मुकाबले में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर देश भर में अपने राज्य का परचम पुनः एक बार लहराया। मध्यप्रदेश ने अब तक 2 स्वर्ण, 1 रजत एवं 1 कांस्य पदक जीत कर पदक तालिका में प्रथम स्थान प्राप्त किया। साथ ही मध्य प्रदेश मल्लखंब दल ने ओवर आल चैंपियनशीप में स्वर्ण पदक अर्जित कर पुनः अपना कब्जा जमाया।

उक्त प्रतियोगिता दो वर्गों में आयोजित की गई। पुरुष वर्ग में मध्य प्रदेश मल्लखंब दल का प्रतिनिधित्व करते हुए तनिष्क प्रजापत, सोनू कुशवाह, त्रिलोक गौड, श्लोक गेहलोत, मयंक, हनी एवं महिला वर्ग में भव्या मालवीय, सुहानी कमोरिया, प्रीति कहार, अंवेषा पांचाल, अनुष्का शर्मा, तमन्ना गेहलोत ने शानदार प्रदर्शन किया।

उल्लेखनीय है कि इस बार मध्यप्रदेश मल्लखंब दल का चयन नये खिलाडियों को प्रोत्साहन देने हेतु किया गया था। चयनित दल में खेलों इंडिया यूथ गेम्स, नेशनल गेम्स एवं अधिकृत राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग ले चुके खिलाड़ियों को इस प्रतियोगिता से दूर रखा गया था और नए खिलाड़ियों को इस प्रतियोगिता में अवसर दिया गया था नए खिलाड़ियों के द्वारा मध्य प्रदेश सरकार ने जिस प्रकार मल्लखंब खेल को राजकीय खेल का दर्जा दिया है वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के गृह जिला एवं विधानसभा क्षेत्र के इन खिलाड़ीयो ने पूरे देश में अपनी सर्वश्रेष्ठता सिद्ध करते हुए ओवर आल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

शिक्षा देश की संस्कृति के अनुरूप होना चाहिए-डॉ अतुल कोठारी

उज्जैन। शिक्षा राष्ट की संस्कृति के अनुरूप होना चाहिए। शिक्षा का कार्य विद्यार्थियों के लिए है। न्यास के कार्यकर्ताओं को विद्यार्थियों को सहज रूप से जोड़ने का कार्य पूरे देश में करना चाहिए।

यह उद्गार शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्टीय सचिव डॉ अतुल कोठारी ने शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्टीय प्रांत संयोजकों की बैठक को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि न्यास ने इंडिया नहीं भारत को अंगीकृत करने हेतु पूरे राष्ट में हस्ताक्षर अभियान चलाया है। शिक्षा के क्षेत्र में समाज को जोड़ने के लिए चार ज्ञान कुंभों का आयोजन न्यास द्वारा किया गया है। प्रयागराज महाकुंभ में ऐतिहासिक घटना के रूप में शिक्षा महाकुंभ का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। हमारे कार्यकर्ता को आने वाले 2027 और 2028 के कुंभ में शिक्षा महाकुंभ करने का आमंत्रण प्राप्त हुआ है। हम हर 5 वर्ष में चिंतन बैठक करते हैं आगामी चिंतन बैठक होने जा रही है। चिंतन बैठक के लिए हमने देश के सेवाभावी सामाजिक दृष्टिकोण रखने वाले शिक्षाविदों को आमंत्रित किया है। राष्टीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर हमारे कार्यकर्ता किस प्रकार से उत्सव आयोजित करेंगे यह भी बैठक में तय किया जाएगा। हमारी हमारी इस बैठक में भारतीय ज्ञान परंपरा ,पर्यावरण, भारतीय भाषा के साथ राष्टीय शिक्षा नीति का पूर्ण रूप से क्रियान्वयन का कार्य सम्मिलित है। राष्टीय शिक्षा नीति संपूर्ण राष्ट में जब तक लागू नहीं होती हम अपना अभियान चलाए रखेंगे। हमारे कार्यकर्ताओं को व्यक्तिशः समय प्रबंधन करना आना चाहिये। गुरु घसीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर के कुलपति डॉ आलोक चक्रवाल ने न्यास और अपने विश्वविद्यालय में किये जा रहे नवाचारों को प्रस्तुत किया। जबलपुर के शासकीय श्रमोदय आवासीय विद्यालय में आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य देते हुए प्राचार्य साहिल शेख ने विद्यालय की गतिविधियों और उपलब्धियां की जानकारी प्रस्तुत की। शुभारंभ कार्यक्रम में शुभारंभ कार्यक्रम में मंच पर न्यास के राष्टीय संयोजक ए. विनोद, विवेकानंद विश्वविद्यालय सागर के कुलपति डॉ अजय तिवारी तथा संयुक्त संचालक लोक शिक्षण जबलपुर प्राचीश जैन उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत राजेश पटेल, भूपेंद्र सलामे, डॉ रज्जन द्विवेदी, सुखदेव वाजपेयी, धर्मेंद्र कुशवाह, अतीक खान, राजीव तिवारी, जगनदीप एवं मनोज पांडे ने किया। सरस्वती वंदना डॉ प्रतीक्षा तिवारी ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन महाकौशल प्रांत के संयोजक निलेश पांडे ने किया। आभार भूपेंद्र सलामे ने माना था। मध्य भारत प्रांत से शोभा पैठनकर, डॉ प्रकाश बरतुनिया, कोषाध्यक्ष सुरेश गुप्ता, क्षेत्रीय संयोजक ओम प्रकाश शर्मा, कुलपति डॉ राजेश वर्मा, हिंदी ग्रंथ अकादमी के निदेशक अशोक कड़ेल, प्रांत संयोजक रामसागर मिश्र, डॉ राजीव पंड्या, डॉ जफर महमूद, डॉ प्रेमलता चुटेल, डॉ गीता नायक, धीरेंद्र भदोरिया, डॉ राजेंद्र वेद, डॉ अभय गुप्ता, डॉ प्रियदर्शिनी, अथर्व शर्मा प्रतिभागिता कर रहे हैं।

मेरे जुनूं का नतीजा ज़रूर निकलेगा, इसी सियाह समंदर से नूर निकलेगा- अर्जुन चंदेल

उज्जैन। ''मेरे जुनूं का नतीजा ज़रूर निकलेगा, इसी सियाह समंदर से नूर निकलेगा।'' उक्त पंक्तियां जज़्बा के निःशुल्क समर कैंप में बच्चों को संबोधित करते हुए वरिष्ठ पत्रकार अर्जुन चंदेल ने कही।

आपने कहा कि भारत के 797 जिलों में मुस्लिम समाज में अगर जज़्बा जैसे संगठन हो तो भारत को विश्व गुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता। आपने कहा कि पढ़ने की कोई उम्र नहीं होती। बच्चियों को संकल्प लेना चाहिए कि हम पढ़ लिख कर अपने समाज और देश का नाम रोशन करेंगे। कार्यक्रम के विशेष अतिथि शिक्षाविद शैलेन्द्र व्यास स्वामी मुस्कुराके ने इस अवसर पर अधिसंख्य नारी शक्ति की सहभागिता को देखते हुए कहा कि पुत्र तो एक कुल को सुधारेगा लेकिन नारी अगर पढ़ी लिखी है तो वह दो कुलों का कल्याण करती है। विभिन्न शेरों के माध्यम से आपने छात्राओं से पढ़ाई के माध्यम से देश निर्माण में सहयोग की अपील की। आपने कहा कि व्यक्ति अगर तीन फैक्ट्री पर कंट्रोल कर ले जैसे कूल फैक्ट्री मस्तिष्क के लिए, शुगर फैक्ट्री जिव्हा के लिए और सेटिस्फेक्ट्री ह्रदय के लिए तो मनुष्य जीवन सफल हो सकता है। खामोश दस्तक के संपादक शादाब लाला ने कहा कि जज़्बा के शैक्षणिक काम आज की महती आवश्यकता है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com